भारत सरकार

कारपोरेट कार्य मंत्रालय

लोकसभा

अतारांकित प्रश्न संख्या. 1232

(सोमवार, 08 दिसंबर, 2025/17 अग्रहायण, 1947 (शक) को उत्तर के लिए)

एनसीएलटी में सदस्यता और लंबित मामलों का ब्यौरा

1232. श्री तनुज पुनिया:

क्या **कारपोरेट कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) 2019 से राष्ट्रीय कंपनी कानून न्यायाधिकरण (एनसीएलटी) के स्वीकृत और कार्यात्मक सदस्यों (न्यायिक और तकनीकी) की वर्ष-वार संख्या कितनी है;
(ख) वर्ष 2019 से दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत दिवाला समाधान मामलों के निपटान के लिए 600 से अधिक दिन लिए गए मामलों की वर्ष-वार संख्या कितनी है; और
(ग) वर्ष 2019-20 से 2024-25 तक दिवाला और शोधन अक्षमता संहिता (आईबीसी) के तहत स्वीकार किए गए दावों की औसत वसूली दर (प्रतिशत और रुपये के संदर्भ में) वर्ष-बार क्या है?

उत्तर

कारपोरेट कार्य मंत्रालय में राज्य मंत्री और सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय में राज्य मंत्री।

(श्री हर्ष मल्होत्रा)

(क): राष्ट्रीय कंपनी विधि प्राधिकरण (एनसीएलटी) में अध्यक्ष सहित सदस्यों की कुल स्वीकृत संख्या 63 है। वर्ष 2019 से अब तक एनसीएलटी में कार्यरत सदस्यों की वर्ष-वार, संख्या, इस प्रकार है:

क्र.सं.	वर्ष	अध्यक्ष	सदस्य	कुल कार्यात्मक संख्या
1	31.03.2019 तक	1	27	28
2	31.03.2020 तक	0	45	45
3	31.03.2021 तक	0	29	29
4	31.03.2022 तक	1	41	42
5	31.03.2023 तक	1	42	43
6	31.03.2024 तक	1	53	54
7	31.03.2025 तक	1	59	60

(ख): पिछले छह वित्तीय वर्षों (2019-20 से 2024-25) के दौरान, 1101 मामलों में दिवाला एवं शोधन अक्षमता संहिता, 2016 (आईबीसी) के अंतर्गत समाधान योजनाएँ प्राप्त हुई हैं। समाधान की अवधि से संबंधित विवरण निम्नानुसार प्रस्तुत हैं: -

क्र.सं.	**अवधि**	**समाधानों की संख्या**	**समाधान में 600 से अधिक दिनों के समय के लिए मामले**
1	2019-20	132	11
2	2020-21	119	30
3	2021-22	142	52
4	2022-23	186	89
5	2023-24	263	120
6	2024-25	259	121

(ग): पिछले छह वित्तीय वर्षों (2019-20 से 2024-25) के दौरान, आईबीसी के अंतर्गत ऋणदाताओं द्वारा प्राप्त की जा सकने वाली राशि ₹2.73 लाख करोड़ है। इन मामलों का वर्ष-वार विवरण नीचे प्रस्तुत हैं: -

क्र.सं.	अवधि	संकल्पों की संख्या	कुल स्वीकृत दावे	कुल वसूली योग्य मूल्य	वसूली योग्य मूल्य, निम्न के प्रतिशत के रूप में		
					स्वीकृत दावे	परिसमापन मूल्य	उचित मूल्य
1	2019-20	132	1,64,568	41,826	25%	166%	77%
2	2020-21	119	1,27,200	27,551	22%	150%	61%
3	2021-22	142	1,95,383	46,369	24%	138%	87%
4	2022-23	186	1,53,567	55,361	36%	128%	85%
5	2023-24	263	1,68,927	46,176	27%	136%	94%
6	2024-25	259	1,62,746	55,821	34%	230%	157%

*****